

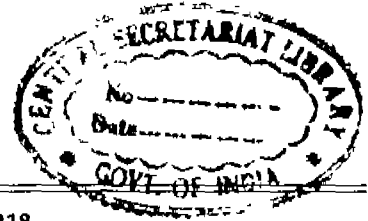


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 161 ]  
No. 161]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 6, 1996/भाद्र 15, 1918  
NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 6, 1996/BHADRA 15, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1996

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय :—चीन जनवादी गणराज्य मूल के 8-हाइड्रोक्सीक्वीनोलिन के आयात के बारे में पाटनरोधी जांच-प्रारम्भिक निष्कर्ष।

सं. ए. डी.डी./आई.डब्ल्यू/36/95-96.—भारत सरकार ने सन् 1995 में यथा समाप्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

क. क्रियाविधि

2. नीचे उल्लिखित क्रिया-विधि का अनुसरण किया है :—

- (1) उपर्युक्त नियमावली के अन्तर्गत नामित प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स पश्चिम बंगाल फार्मास्यूटिकल एण्ड फीटो-केमिकल डेवल कारपोरेशन लि., कलकत्ता से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद चीन कहा जाएगा) मूल के 8-हाइड्रोक्सीक्वीनोलिन (जिसे इसके बाद 8-एच क्यू कहा जायेगा) की डंपिंग का आरोप लगाया गया है।
- (2) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले चीनी दूतावास को याचिकाकर्ता से प्राप्त डंपिंग संबंधी लागू गए आरोपों से अवगत कराया।

(3) नामित अधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के शीर्ष 2933.40 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के शीर्ष 2933.40.04 के अधीन आने वाले चीन मूल के 8-एच क्यू के आयात के बारे में पाटनरोधी कार्रवाई शुरू किए जाने हेतु भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 4 मार्च, 1996 में प्रकाशित दिनांक 4 मार्च, 1996 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

(4) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संगठनों और शिकायतकर्ता को कथित सार्वजनिक सूचना की प्रति प्रेषित करते हुए उन्हें इस बात के लिए मौका दिया कि वे लिखित रूप में अपने-अपने विचारों से अवगत कराएं और सुनवाई के लिए अनुरोध करें।

(5) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार याचिका की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और चीनी दूतावास को भेजी।

(6) प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों को संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी :—

- (1) मैसर्स सिनोचेम जिगसू इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कार्पो., चीन
- (2) मैसर्स चीन नेशनल कैमिकल जियांस कम्पनी, चीन

(7) नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास को भी जांच की शुरुआत के बारे में सूचित करते हुए अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दे कि वे उन्हें भेजी गयी प्रश्नावली का निर्धारित समय तक उत्तर भेज दें।

- (8) 8-एच क्यू के निम्नलिखित आयातकों को प्रश्नावली भेजी गयी :—
1. मैसर्स बजाज हैल्थ केयर प्रा. लि., मुंबई;
  2. मैसर्स जी. आम्फ्र लेबोरेटरीज, मुंबई;
  3. मैसर्स साल्वी कैमिकल इन्डस्ट्रीज, मुंबई;
  4. मैसर्स वेटकेयर एलिटिक प्रा. लि., बंगलौर।
- (9) मैसर्स वेटकेयर एलिटिक प्रा. लि., बंगलौर ने प्रश्नावली का उत्तर भेजा। अन्य किसी आयातक अथवा निर्यातक ने अनुस्मारक जारी करने के बावजूद भी प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया।
- (10) आयातकों, निर्यातकों, याचिकाकर्ताओं और चीनी दूतावास को और मौका देने की दृष्टि से प्राधिकारी ने 11 जून, 1996 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। सार्वजनिक सुनवाई की सूचना मैसर्स चीन जियांग्सू मैडिसिन्स एण्ड हैल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट (ग्रुप) कारपोरेशन चीन को भी भेजी गई। सुनवाई में भाग केवल याचिकाकर्ता ने लिया।
- (11) उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों को सलाह दी गयी कि वे सार्वजनिक सुनवाई के दौरान किए गए निवेदन को लिखित रूप में प्रस्तुत करें ताकि जांच संबंधी सार्वजनिक सुनवाई की अन्य पार्टियों से प्रति-टिप्पणियाँ प्राप्त की जा सकें और पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित निवेदन अन्य पक्ष (पक्षों) को उनकी प्रति-टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराए गए।
- (12) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गयी जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया। इस दिशा में याचिकाकर्ता के मुख्यालय, कलकत्ता और निर्माणस्थल कल्याणी में जांच की गयी।
- (13) प्राधिकारी ने लागत जांच की तथा सामान्य रूप में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों तथा उपरोक्त नियमावली के नियम 6(8) के आधार पर भारत में 8-एच क्यू को बनाने तथा इसे बेचने के लिए लागत तथा उसकी अधिकतम उत्पादन लागत निकाली जिससे कि यह पता लगाया जा सके कि क्या क्षति को दूर करने के लिए डम्पिंग मार्जिन से कम प्रतिपाटन शुल्क लगाना पर्याप्त होगा।
- (14) इस जांच में 1 अप्रैल, 1995 से 30 सितम्बर, 1995 तक की अवधि शामिल है।

#### ख. याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित प्रमुख विचार किए :

- (1) याचिकाकर्ता ही देश में 8-एच क्यू का अकेला उत्पादक है और इस प्रकार वह घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित 8-एच क्यू चीन से आयातित 8-एच क्यू के समान ही उत्पाद है;
- (2) 8-एच क्यू की जरूरत की बड़ी मात्रा का आयात चीन, जापान, फ्रांस इत्यादि जैसे देशों से किया जा रहा है;
- (3) चीन से होने वाले 8-एच क्यू का आयात डम्पड मूल्यों पर हो रहा है ;

- (4) याचिकाकर्ता को चीन से 8-एच क्यू की डम्पिंग होने से बहुत नुकसान हुआ। याचिकाकर्ता अपने उत्पाद को बेच नहीं पाया और फलस्वरूप वह संयंत्र क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर सका;
- (5) निर्माण लागत आधार पर 8-एच क्यू की चीन में सामान्य कीमत 789 रु. प्रति कि. ग्रा. होती है जिसकी तुलना में चीन से आयातित 8-एच क्यू का सी आई एफ निर्यात कीमत 710 रु. प्रति कि.ग्रा. होती है।

#### ग. निर्यातकों के विचार

4. किसी भी निर्यातक ने सुनवाई में भाग नहीं लिया, न किसी ने विचार व्यक्त किए और न ही निर्धारित प्रपत्र में तरीके से अपना उत्तर ही भेजा।

#### घ. आयातकों के विचार

5. किसी भी आयातक ने सुनवाई में भाग नहीं लिया। तथापि, एक आयातक ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए हैं :—

- (1) वह पहले 8-एच क्यू की याचिकाकर्ता से आपूर्ति-प्राप्त कर रहा था और अब वह इसका चीन से आयात कर रहा है ;
- (2) यह एक लघु उद्योग है। यह मोडवेट, क्रेडिट क्रिया-विधि के अधीन नहीं आता है और याचिकाकर्ता द्वारा आपूर्ति किए गए कच्चे माल पर दिए गए शुल्क को वापस लेने के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ती है ;
- (3) उसके द्वारा निर्मित उत्पाद केवल निर्यात के लिए होता है;
- (4) याचिकाकर्ता की सुपुर्दगी समय-सूची अनिश्चित रहती है और कीमतें अतर्कसंगत होती हैं तथा भुगतान बिना किसी क्रेडिट अवधि के सुपुर्दगी पर किया जाता है जबकि चीन का आपूर्तिकर्ता उत्पाद की समय पर सुपुर्दगी करता है, सामान बेहतर गुणवत्ता वाला होता है और वह एल/सी पर 60 से 90 दिनों की क्रेडिट की पेशकश भी करता है;
- (5) वह कच्ची सामग्री की उपलब्धता न होने की वजह से निर्यात दायित्वों को पूरा नहीं कर सका;
- (6) प्रमुख आयात शुल्क मुक्त योजना के तहत मात्रा आधारित अग्रिम लाइसेंस का इस्तेमाल करते हुए किया गया;
- (7) आयातित 8-एच क्यू की औसत लागत 465 रु. प्रति कि. ग्रा. बैठती है जबकि याचिकाकर्ता द्वारा की गई आपूर्ति की लागत (शुल्क और कर शामिल करते हुए) 840 रु. प्रति कि. ग्रा. होती है ;
- (8) इसके द्वारा व्यय की गई 8-एच क्यू की भारत औसत निर्यात कीमत वर्ष 1994-95 के दौरान 12.94 अमरीकी डालर प्रति कि. ग्रा. सी आई एफ थी और जांच अवधि के दौरान 13.15 अमरीकी डालर प्रति कि. ग्रा. थी। इसलिए अधिसूचना के पैरा 4 में याचिकाकर्ता का आशय सही नहीं है;
- (9) याचिकाकर्ता भारत में एकाधिकार प्राप्त उत्पादक है;
- (10) याचिकाकर्ता का लागत जमा आधार पर कीमत लगाना अब अधिक देर तक नहीं चल सकता है;

- (11) शुल्क ढाँचे में किसी प्रकार के परिवर्तन से 8-एच क्यू से निर्मित उत्पादों के मूल्यों और भारत में इसकी बिक्री पर प्रभाव पड़ेगा।

#### ड. प्राधिकारी द्वारा की गई जांच तथा निष्कर्ष

6. इन निष्कर्षों पर पहुंचते समय निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करके विचार किया गया है और जो उपयुक्त पाए गए उन पर बाद में कार्रवाई की गई।
7. निर्धारित प्रपत्र में निर्यातकों से कोई सीधे उत्तर न मिलने पर प्राधिकारी ऊपर नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्य के आधार पर निष्कर्ष देने की पुष्टि करते हैं।

#### च. समान वस्तुएं

8. 8-एच क्यू एक आर्गेनिक रसायन है। ग्लिसरीन आर्थोनाइट्रो क्लोरो बैनजीन सोडियम सल्फाइड, कास्टिक लाई का इस्तेमाल करके अपरिष्कृत 8-एच क्यू बनाया जाता है। सल्फ्यूरिक एसिड को 99% या अधिक की शुद्धता वाला 8-एच क्यू को बनाने के लिए शुद्ध किया जाता है यह जीवन रक्षक औषधि है जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 का सीमाशुल्क कोड 2933.40 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित हारमोनाइज्ड) वस्तु विवरणपत्र पर आधारित, को संख्या 2933.40.04 अन्तर्गत वर्गीकृत है।

9. याचिकाकर्ता ओर्थो नाइट्रो क्लोरो बैनजीन से शुरू करके स्क्रोप का प्रयोग करते हुए 8-एच क्यू का उत्पादन कर रहा है। याचिकाकर्ता के अनुसार, उत्पादन का उत्पादन सल्फोनेशन तथा कोस्टिक फ्यूजन द्वारा क्यूनोलिन से भी किया जाता है। यद्यपि 8-एच क्यू के उत्पादन के लिए वैकल्पिक मार्ग मौजूद है, तथापि किसी भी निर्यातक ने इस संबंध में प्राधिकारी को किसी भी प्रकार की जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। तथापि प्राधिकारी ने एक आयातक के उत्तर से नोट किया कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित उत्पाद तथा चीन मूल के उत्पाद का अदल-बदल करके प्रयोग किया जा रहा है। अतः इससे निष्कर्ष निकलता है कि चीन से आयात किया जा रहा 8-एच क्यू घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे 8-एच क्यू एक दूसरे से काफी मिलते-जुलते हैं अतः दोनों को ऊपर नियम 2(घ) के अनुसार समान माना जाता है। 90% या इससे अधिक की शुद्धता वाला 8-एच क्यू उत्पाद इस जांच के क्षेत्र में शामिल होता है।

#### छ. घरेलू उद्योग

10. मैसर्स वैस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल्स एंड फिटो कैमिकल डिवलपमेंट कारपोरेशन लि० (पश्चिम बंगाल सरकार का एक उपक्रम) इलाको हाऊस, द्वितीय तल, 1 और 3 बी टी महाराज सरणी, कलकत्ता-700001- याचिकाकर्ता भारत में 8-एच क्यू का मुख्य उत्पादक है इसलिए ऊपर नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

#### ज. सामान्य मूल्य

11. याचिकाकर्ता ने चीन में घरेलू कीमतों पर आधारित 8-एच क्यू के सामान्य मूल्य पर प्रस्तुत नहीं किया है, उसने बताया कि चीन गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था है। याचिकाकर्ता ने चीन के लिए निर्मित उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य को आंकलित करने के लिए सुझाव दिया है।

12. कियो भी निर्यातक ने सामान्य मूल्य पर कोई भी सूचना प्रस्तुत नहीं की है। यद्यपि 24.65 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. का सामान्य मूल्य का अनुमान चीन में उत्पाद के उत्पादन की लागत के आधार पर लगाया है, जिसे जांच शुरू करने वाली अधिसूचना में बताया गया था जिसका किसी भी निर्यातक ने खंडन नहीं किया है।

15. प्राधिकारी ने उपर्युक्त राय पर विचार किया और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का आंकलन किया। सामान्य मूल्य चीन की शर्तों के अनुसार उपर्युक्त संदर्भ स्तर अपनाते हुए पुनर्निर्मित किया जाना था। भारतीय उद्योग पर आधारित मुख्य कच्चे माल तथा अन्य लागतों के अन्तर्राष्ट्रीय कीमत पर 8-एच क्यू के सामान्य मूल्य का पुनः निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है। सामान्य मूल्य ऊपर अधिनियम की धारा 9ए के उपखण्ड (सी)(ii)(बी) के अनुसार निर्धारित किया गया है। उपर्युक्त के आधार पर सामान्य मूल्य 21.58 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. बैठता है।

#### झ. निर्यात कीमत

16. चीन के निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा मांगी गई अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः निर्यात कीमत, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में किसी एक आयातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर मालूम की जानी थी।

17. चूंकि आयातक ने सी आई एफ कीमतें निर्यातक-वार प्रस्तुत की हैं इसलिए निर्यातकों से विहित फार्म तथा तरीके से सीधे उत्तर के अभाव में याचिकाकर्ता तथा निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत मालूम करने के लिए सी आई एफ कीमतों को समायोजित किया गया है। याचिकाकर्ता ने (1) समुद्री भाड़े (अमरीकी डालर 0.15), (2) बीमा (अमरीकी डालर 0.12), (3) अन्य प्रभार (अमरीकी डालर 0.60) का समायोजन के लिए दावा किया जिनको प्राधिकारी ने मान लिया है।

#### अ. तुलना

18. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच उपर्युक्त तुलना करने के प्रयोजन से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा निर्यातकों से किसी भी सहयोग के अभाव में स्वयं प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखा। प्राधिकारी ने प्रत्येक निर्यातक के लिए भारत औसत निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की दोनों कारखाना द्वारा स्तरों पर तुलना की और निम्नलिखित डंपिंग मार्जिन पर पहुंचे :

अमरीकी डालर/कि.ग्रा.	
निर्यातक	डंपिंग मार्जिन
सिनोचेम जियांगसू इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट्स कारपोरेशन, चीन	9.30
चायना जियांगसू मैडिसिन एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एक्सपोर्ट (ग्रुप) कारपोरेशन, चायना	9.74

19. प्राधिकारी ने नोट किया है कि केवल जांच की ही अवधि के दौरान सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत डंपिंग के निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए संगत हैं तथा भारत के लिए वर्तमान निर्यात कीमत या अन्तर्राष्ट्रीय कीमत इस प्रयोजन के लिए संगत नहीं हैं।

**ठ. क्षति**

20. ऊपर नियम 11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति संबंधी निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा, “डम्प किए गए आयातों सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव—” कीमतों पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में डम्प किए गए आयातों द्वारा कीमतों काफी कम हुई हैं अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी मात्रा में कीमतें कम करने के लिए ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रहा है। अथवा इससे कीमतों में वृद्धि रुकी है जो अन्यथा काफी हद तक हुई होती।

21. भारत में घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऐसे संदर्भगत विषयों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री स्टाक लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति आदि पर प्रभाव पड़ता है।

**(क) डम्प किए गए आयातों की मात्रा तथा बाजार शेयर**

22. डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार चीन से 8-एच क्यू के आयातों में शून्य (1993-94) से 14.5 मी.टन (1994-95) तक वृद्धि हुई है। जांच की अवधि के दौरान आयातों में भी पिछले वर्ष तदनुरूपी अवधि की तुलना में 2.5 मी. टन के मुकाबले 34 मी. टन की वृद्धि हुई है। जिसका परिणाम पूर्ण रूप में आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है।

23. देश में कुल मांग में चीन से आयातों का बाजार शेयर में आयातों की कुल मात्रा देशीय बिक्री तथा भारतीय उत्पादक की निजी खपत को ध्यान में रखते हुए 1994-95 में वृद्धि 29% से जांच की अवधि में 67% की वृद्धि हुई। याचिकाकर्ता को बिक्री कीमत में कमी के बावजूद महत्वपूर्ण बाजार शेयर में नुकसान हुआ है जैसा कि नीचे पैरा 28 में दिया गया है।

**(ख) चीन से निर्यात कीमतें**

24. चीन से औसत सी आई एफ निर्यात कीमत घटकर 423 रु. प्रति कि.ग्रा. से जांच की अवधि में 381 रु. रह गई है।

**(ग) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग**

25. याचिकाकर्ता के उत्पादन में 1993-94 में प्रति माह लगभग 1,402 मी. टन से जांच की अवधि में औसतन 0.638 प्रति माह ह्रास हुआ।

**(घ) पूर्ण रूप में बिक्री**

26. याचिकाकर्ता का उत्पादन पूर्ण रूप में प्रति माह औसत बिक्री प्रति माह (1993-94) 1163 कि.ग्रा. था जांच की अवधि के दौरान औसतन 539 कि.ग्रा. की बिक्री हुई जिसके परिणामस्वरूप पूर्ण रूप में बिक्री में ह्रास हुआ। इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ता द्वारा बिक्री की कीमतों में कमी करने के बावजूद अप्रैल 1995 से जून 1995 के दौरान बिक्रियां शून्य ही रहीं।

**ड. स्टॉक**

27. प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिकाकर्ता के पास 8-एच क्यू के स्टॉक में पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जो जून 1995 के माह में 2.248 मी. टन तक पहुंच गया।

**च. औसत बिक्री प्राप्ति**

28. घरेलू उद्योग के लिए औसत इकाई बिक्री प्राप्ति 1993-94 में 695 कि. ग्रा. से बढ़कर 1994-95 में 772 कि. ग्रा. तक हो गई। तथापि, उस में जांच की अवधि के दौरान 650 कि.ग्रा. तेजी से गिरावट आई जो कि 1993-94 के स्तर से भी कम थी। प्राधिकारी का अभिमत था की जांच की अवधि के दौरान औसत बिक्री प्राप्ति उत्पादन की ईष्टतम लागत से कम थी जिसके फलस्वरूप याचिकाकर्ता को हानियां हुई।

29. प्राधिकारी ने देखा कि जांच अवधि के दौरान चीनी निर्यात भारतीय बाजार में सोडियम कैरोसाइनाइड की कीमतों को कम कर रहे हैं और घरेलू उद्योग को चीन के डम्प आयातों को ध्यान में रखते हुए अपनी कीमतों को कम करना पड़ा था।

**ज. कीमतों में गिरावट**

30. प्राधिकारी ने पाया कि निवेश की लागत में वृद्धि होने के बावजूद, घरेलू उद्योग को अपनी उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप कीमतें बढ़ाने में रुकावट आई; बल्कि उसे अपनी कीमतों कम करनी पड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय बाजार में कीमतों में गिरावट की स्थिति आई।

**झ. लाभ/हानि**

31. याचिकाकर्ता एक बहु उत्पाद संगठन है, और विचाराधीन उत्पाद के लिए, वार्षिक लेखों से कम्पनी की वित्तीय स्थिति के बारे में कोई कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। तथापि, प्राधिकारी ने सामान्यतः मान्य लेखा सिद्धान्तों के आधार पर खर्चों के आबंटन और संविभाजन को ध्यान में रखने के बाद विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्ता की लाभकारिता पर विश्वास किया। प्राधिकारी ने यह नोट किया कि याचिकाकर्ता की औसत बिक्री वसूली उत्पादन लागत से कम है जिसके परिणामस्वरूप 8-एच क्यू की बिक्री में हानि हो रही है।

**क्षति से संबंधित निष्कर्ष**

32. प्राधिकारी ने अपरिहार्य निष्कर्ष लिया है कि सभी सम्बद्ध कारक, संचयी और सामूहिक रूप से यह निम्न करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति हुई है।

**कारण संबंधी सम्पर्क**

33. क्या डम्प किए गए आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई यह निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने निम्नांकित तथ्यों पर ध्यान दिया :

- (1) चीन से उत्पादों के आयातों में समग्र रूप से तथा भारत में इस उत्पाद के उत्पादन और खपत के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। कुल आयातों के चीन के हिस्से में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। इसके सीधे परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण रूप से क्षति हुई है।
- (2) डम्प कीमतों पर चीन से 8-एच क्यू के वास्तविक आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को अलाभप्रद स्तर पर

कम करने को मजबूर किया जिसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय बाजार में कीमतें कम करने की स्थिति में आना पड़ा।

- (3) चीन से होने वाले आयातों ने भारतीय बाजार में उत्पादों के मूल्यों को इस स्तर तक कम कर दिया कि घरेलू उद्योग को उत्पादन की अपनी पूरी कीमत प्राप्त करने तथा भारत में 8-एच क्यू की बिक्री से यथोचित मुनाफा कमाने से वंचित होना पड़ा।

### भारतीय उद्योग के हित

34. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य यह है कि सामान्यतौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

35. प्राधिकारी ने माना कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से 8-एच क्यू के उपयोग से विनिर्मित और उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्यात बाजार में उनके उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं हो जाएगी। विशेषकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क की लेबी नुकसान को कम करने की आवश्यकता राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत डम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे। प्राधिकारी ने नोट किया कि पाटनरोधी उपायों से चीन से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं को होने वाली उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

36. प्राधिकारी इस बात का अनुमोदन करता है कि इसने क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर याचिकाकर्ता के लिए उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके तथा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक हद तक घरेलू उद्योग के लिए भारत में 8-एच क्यू का उचित बिक्री मूल्य तैयार किया है। याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय डाटा के आधार पर उपलब्ध बिक्री कीमत इन निष्कर्षों में प्रकट नहीं की गई है।

37. याचिकाकर्ता को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक प्रतिपाटन शुल्क की राशि की अनुशंसा करते वक्त प्राधिकारी ने पाटन के अतिरिक्त अन्य कारकों पर विचार नहीं किया जिनसे याचिकाकर्ता को क्षति हो रही है।

38. प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान प्रचलित सीमा शुल्क पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जाने वाली क्षति के स्तर का हिसाब लगाया है।

39. चूंकि चीन से होने वाले आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने से, उस देश से होने वाले आयात प्रतिबंधित नहीं होते, इसलिए आयात अन्य स्रोतों से होने वाले आयातों के साथ घरेलू बाजार को प्रतिस्पर्धी रखेंगे और घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ की अनुमति नहीं देंगे। याचिकाकर्ता एकाधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता।

### ख. निष्कर्ष

40. उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करने के पश्चात्, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि :

- (1) चीन मूल के 8-एच क्यू का निर्यात भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (2) भारतीय उद्योग को वास्तविक नुकसान उठाना पड़ा है;
- (3) यह क्षति चीन से होने वाले आयातों से हुई है।

41. प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक चीन से हाने वाले 8-एच क्यू के सभी आयातों पर अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए, ताकि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाया जा सके। प्रत्येक ज्ञात निर्यातक के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित डम्पिंग मार्जिन पैरा ..... में बताया गया है।

42. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए एक निर्यातक द्वारा किए गए सभी निर्यातों की भारत औसत उतराई कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों की उचित बिक्री कीमत से की गई जो कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई थी। जहां यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहां क्षति की मात्रा तक कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि नीचे बताए गए अनुसार अन्तिम प्रतिपाटन शुल्क इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से चीन के उदगम वाले सीमा शुल्क कोड 2933.40.04 के अन्तर्गत 8-एच क्यू के सभी आयातों पर अन्तिम निबटारा होने तक लगाया जाए।

निर्यातक	शुल्क की राशि
सिनोचेम जिआंगसु इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट्स	रु. प्रति कि.ग्रा.
कारपोरेशन, चायना	183
चायना जिआंगसु मैडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स	
इम्पोर्ट एक्सपोर्ट (ग्रुप) कारपोरेशन, चायना	206
निर्यातक उपर्युक्त के अतिरिक्त	206

43. सम्बद्ध ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो अपने विचारों से अवगत कराना चाहते हैं मौखिक सुनवाई के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इस अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत करा सकती है।

टी. एस. विजयराघवन, निर्दिष्ट प्राधिकारी तथा अपर सचिव

# MINISTRY OF COMMERCE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th September, 1996

### PRELIMINARY FINDINGS

**Subject :—**Anti-dumping investigation concerning imports of 8-Hydroxyquinoline originating from the People's Republic of China—preliminary findings.

**No. ADD/IW/36/95-96.**—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as ended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

### A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:—

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. West Bengal Pharmaceutical & Phytochemical Development Corpn. Ltd., Calcutta on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 8-Hydroxyquinoline (hereinafter referred to as 8-HQ) originating from the People's Republic of China (hereinafter referred to as China);
- (ii) The Authority notified the Embassy of China about the receipt of dumping allegations made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra;
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 4th March, 1996 published in the Gazette of India, Extraordinary on 4th March, 1996, initiating anti dumping proceedings concerning imports of 8-HQ originating from China classified under heading 2933.40 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 2933.40.04 under Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System);
- (iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request for an oral hearing;
- (v) According to sub-rule (3) of Rules 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassy of China;
- (vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following exporters :
  1. M/s Sinochem Jigangsu Import & Export Corporation, China
  2. M/s China National Chemical Jianssh Company, China,
- (vii) The Embassy of China in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from

their country to respond to the questionnaire within the prescribed time;

- (viii) The questionnaire was sent to the following importers of 8-HQ :
  1. M/s. Bajaj Health Care Pvt. Ltd., Mumbai;
  2. M/s. G. Amphray Laboratories, Mumbai;
  3. M/s. Salvi Chemical Industries, Mumbai;
  4. M/s. Vetcare Alitech Pvt. Ltd., Bangalore;
- (ix) Response to the questionnaire was filed by M/s. Vetcare Alitech Pvt. Ltd., Bangalore. No other importer or exporter filed response to the questionnaire in spite of issue of reminders.
- (x) A Public Hearing was held by the Authority on 11th June, 1996 in order to provide further opportunity to importers, exporters, petitioners and Embassy of China. Notice for public hearing was also sent to M/s. China Jiangsu Medicines & Health Products Import Export (Group) Corpn., China. The hearing was attended only by the petitioner;
- (xi) The party who attended the said public hearing was advised to present their submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party(ies) to the investigation and the written submissions received from the party(ies) were made available to the other party(ies) for their counter comments;
- (xii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the petitioner's head office at Calcutta and works at Kalyani;
- (xiii) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum Cost of production and cost to make and sell 8-HQ in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles and rule 6(8) of the Rules supra so as to ascertain as to whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be adequate to remove the injury;
- (xiv) The investigation covered the period from 1st April, 1995 to 30th Sept., 1995.

### B. PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner made the following major points :
  - (i) The petitioner is the only producer of 8-HQ in the country and thus represents the domestic industry. 8-HQ being produced by the petitioner is a like product to the 8-HQ being imported from China;
  - (ii) A major quantum of requirement of 8-HQ is being imported from different countries like China, Japan, France, etc.;
  - (iii) Imports of 8-HQ from China are at dumped prices;
  - (iv) The petitioner suffered badly due to dumping of 8-HQ from China. The petitioner could not market the product resulting in underutilisation of plant capacity;

- (v) Normal value of 8-HQ in China, on constructed cost basis comes to Rs. 789 per Kg. against which the CIF export price of 8-HQ imported from China comes to Rs. 710 per Kg.

#### C. EXPORTER'S VIEWS

4. No exporters attended the Public Hearing, nor expressed any views, nor response in the prescribed form and manner has been filed.

#### D. IMPORTER'S VIEWS

5. No importer attended the Public Hearing. One of the importer has, however, made written submissions highlighting the following main views :

- (i) It was earlier getting supplies of 8-HQ from the petitioner and now importing the same from China;
- (ii) It is a small scale industry. It is not covered under Modvat Credit Procedure and is put into lot of hardship to get back the duty paid on raw materials supplied by the petitioner;
- (iii) The product being manufactured by it is purely for export;
- (iv) The delivery schedule of the petitioner is uncertain and prices unrealistic and payment is against delivery without any credit period whereas the suppliers from China are supplying the product as per schedule, goods of better quality and by offering 60 to 90 days credit against L/Cs;
- (v) It could not meet export commitments due to non-availability of raw material;
- (vi) The major imports have been made under Duty Exemption Scheme, using quantity based Advance Licence;
- (vii) The average cost for the imported 8-HQ works out to Rs. 465 per Kg. as against Rs. 840 per Kg. (inclusive of duties and taxes) supplied by the petitioner;
- (viii) The weighted average export price of 8-HQ incurred by it was CIF US \$ 12.94 per Kg for 1994-95 and around US \$ 13.15 per Kg. during the period of investigation and therefore, contention of the petitioner in para 4 of the initiation notification is incorrect;
- (ix) The petitioner is a monopoly producer in India;
- (x) The basis of pricing of the petitioner on cost plus basis can no longer be in vogue;
- (xi) Any change in duty structure would affect the price of the products made from 8-HQ and sold in India.

#### E. EXAMINATION AND FINDINGS BY AUTHORITY

6. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

7. The Authority confirms, in the absence of any direct response from the exporters in the prescribed format, having made the findings on the basis of the fact available to it as per rule 6(8) supra.

#### F. LIKE ARTICLES

8. 8-HQ is an organic chemical. Crude 8-HQ manufactured using Glycerin, Ortho Nitro Chloro Benzene, Sodium Sulphide, Caustic Lye, Sulphuric Acid is purified to make 8-HQ of 99% purity or more. It is a life saving drug and classified under custom code 2933.40 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 2933.40 04 under Indian trade classification (based on harmonized commodity description).

9. The petitioner is producing 8-HQ using skraup's synthesis starting from Ortho Nitro Chloro Benzene. The product, as per petitioner, is also produced from quinoline by sulphonation and caustic fusion. Though alternative routes for production of 8-HQ exists, none of the exporters provided any information to the Authority in this regard. The Authority, however, noted from the reply furnished by one of the importers that the product being produced by petitioner and that of Chinese origin are being interchangeably used. It has, therefore, come to the conclusion that 8-HQ being imported from China has characteristics closely resembling to the 8-HQ being produced by the domestic industry and, therefore, the two are considered as like article in accordance with rule 2(d) supra. The product, 8-HQ is, therefore, covered under the scope of this investigation.

#### G. DOMESTIC INDUSTRY

10. The petition has been filed by M/s. West Bengal Pharmaceutical & Phytochemical Development Corpn. Ltd., (a Government of West Bengal Undertaking), Ilaco House, 2nd Floor, 1 & 3 B T. Maharaj Sarani, Calcutta-700 001. The petitioner is the sole producer of 8-HQ in India, and therefore, constitute domestic industry in accordance with Rule 2(b) supra.

#### H. NORMAL VALUE

11. Petitioner has not furnished normal value of 8-HQ based on domestic prices in China, pleading that China is a non market economy. The petitioner has suggested working out normal value based on cost of production constructed for China.

12. None of the exporters has furnished any information on the normal value. Though the normal value of US \$ 24.65 per Kg. estimated on the basis of cost of production of the product in China was indicated in the notification initiating the investigation, it has not been refuted by any of the exporters.

13. The Authority considered the above views and worked out normal value based on the facts available. The normal value had to be reconstructed under Chinese condi-

tions adopting appropriate reference levels. The international price of key raw materials and other costs based on Indian Industry have been considered for reconstructing Normal Value of 8-HQ. The Normal Value has been determined in accordance with sub-clause (c)(ii)(b) of Section 9A of the Act supra. The normal value on the above basis works out to US \$ 21.58 per Kg.

#### I. EXPORT PRICE

14. The exporters from China have not furnished relevant information desired by the Authority. The export price had, therefore, to be worked out based on the information furnished by one of the importers in the format prescribed by the Authority

15. Since the importer has furnished exporter-wise CIF prices, the CIF prices have been adjusted to work out ex-works export price on the basis of information furnished by the petitioner and the importers in the absence of any direct response in the prescribed form and manner from the exporters. The petitioner claimed adjustment for (i) ocean freight (US \$ 0.15), (ii) insurance (US \$ 0.12), (iii) Other Charges (US \$ 0.60) and the same have been accepted by the Authority.

#### J. COMPARISON

16. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the petitioner, importers and the facts available with it in the absence of any co-operation from the exporters. The Authority has compared normal value with weighted average export price, both at ex-works level, for individual exporter and has arrived at following dumping margins :

(US \$ Kg.)	
Exporter	Dumping Margin
Sinochem Jiangsu Import & Export Corp., China.	9.30
China Jiangsu Medicines & Health Products Import Export (Group) Corp., China.	9.74

17. The Authority notes that the normal value and export price during the investigation period only are relevant for arriving at the conclusion of dumping, and the current export price to India or international prices are not relevant for the purpose.

#### K. INJURY

18. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domes-

tic producers of such articles ...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

19. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilization, sales, stock, profitability, net sales realisation, etc.

#### (a) Volume and Market Share of Dumped Imports :

20. Imports of 8-HQ from China as per DGCIS statistics increased from nil (1993-94) to 14.5 MT (1994-95). During the period of investigation, imports have steeply increased to 34 MT as against 2.5 MT during the corresponding period in the previous years resulting in sharp increase in the volume of imports in absolute terms.

21. Market share of the imports from China in the total demand in the Country, considering total quantum of imports, indigenous sales and captive consumption of the Indian producer, increased sharply from 29% in 1994-95 to 67% during the period of investigation. The petitioner lost significant market share inspite of reduction in selling price as detailed in para 28 below.

#### (b) Export prices from China :

22. The average CIF Export Price from China declined sharply from Rs. 423 per Kg. (1994-95) to Rs. 381 per Kg. during the period of investigation.

#### (c) Production and Capacity Utilization :

23. Production of the Petitioner declined from an average of about 1.402 MT per month in 1993-94 to an average of 0.638 MT per month during the period of investigation.

#### (d) Sales in absolute terms :

24. Average sales in absolute terms per month were 1163 Kg. per month (1993-94) to an average of 539 Kg. per month during the period of investigation, resulting in sharp decline in the sales in absolute terms. Further, Sales during April, 1995 to June, 1995 remained nil, in spite of reduction in selling prices by the petitioner.

#### (e) Stocks :

25. The Authority notes that the stock of 8-HQ with the petitioner increased during the period of investigation as compared to previous year, and peaked to 2.248 MT during the month of June, 1995.

#### (f) Average Sales Realisation :

26. The average unit sales realisation for the domestic industry increased from Rs. 695 per Kg. in 1993-94 to Rs. 772 per Kg. in 1994-95. However, the same reduced steeply to Rs. 650 per Kg. during the period of investigation, a level lower than 1993-94. The Authority observed that the aver-



age sales realisation during the period of investigation was lower than optimum cost of production resulting in losses to the petitioner

**(g) Price undercutting :**

27. The Authority finds that the Chinese exports were undercutting the prices of Sodium Ferrocyanide in the Indian market during the period of investigation, and the domestic industry was forced to reduce its prices in view of dumped imports from China.

**(h) Price Suppression :**

28. The Authority finds that in spite of increase in the cost of inputs, the domestic industry was prevented to increase its prices commensurate with the increase in its cost of production; rather it has to reduce its price. This resulted in a situation of price suppression in the Indian market.

**(i) Profit/Loss :**

29. The petitioner is multi product organization, and no conclusion can be drawn from the annual accounts about the financial position of the company for the product under consideration. The Authority has, however, relied upon the profitability of the petitioner from the product under consideration after considering allocation and apportionment of expenses on the basis of Generally Accepted Accounting Principles. The Authority noted that the average sales realisation to the petitioner is less than the cost of production resulting in losses from the sale of 8-HQ.

**(j) Conclusion on injury :**

30. The Authority is led to inescapable conclusion that all the relevant factors, cumulatively and collectively establish that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

### L. CASUAL LINK

31. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

- (i) The imports of the product from China increased significantly in absolute terms and relative to the production and consumption of the product in India. The share of China in the total imports also increased significantly. As a direct consequence, the domestic industry lost its market share to a significant level;
- (ii) The substantial import of 8-HQ from China at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level which resulted in a situation of price undercutting in the Indian market;
- (iii) The imports from China suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of 8-HQ in India.

### M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

32. The purpose of anti dumping duty in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

33. The Authority recognized that the imposition of anti-dumping duty might affect the price levels of the products manufactured using 8-HQ and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers. The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from China in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

34. The Authority confirms that it has worked out reasonable Selling Price of 8-HQ in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of Capacity Utilization for the petitioner, to ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry. The selling price, being based on confidential data provided by the petitioner, has not been disclosed in these findings.

35. Injury being caused to the petitioner from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti-Dumping Duty necessary to remove the injury to the petitioner.

36. The Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the custom duties prevailing during the period of investigation.

37. Since the imposition of Anti-Dumping Duty on imports originating from China will not restrict imports from that country, the imports alongwith imports from other sources will keep the domestic market competitive and will not allow any unfair advantage to the domestic industry. The petitioner cannot exercise monopoly.

### N. CONCLUSIONS

38. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that

- (i) 8-HQ of Chinese origin has been exported to India below its normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury,
- (iii) the injury has been caused by the imports from China;

39. The Authority considers it necessary to impose an anti-dumping duty provisionally, pending final determina-

tion, on all imports of 8-HQ originating from China in order to remove the material injury to the domestic industry. The margin of dumping for each known exporter determined by the Authority are indicated in para 41.

40. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The weighted average landed price of the imports for individual exporter, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined by the Authority for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended, and accordingly the Authority recommends that provisional anti-dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of 8-HQ falling under custom code 2933 40.04 originating from China, pending final determination.

Exporter	Amount of Duty
	Rs per Kg
Sinochem Jiangsu Import & Export Corpn., China.	183
China Jiangsu Medicines & Health Products Import Export (Group) Corpn., China	206
Exporters other than above	206

41. The known exporters, importers and other interested parties are being separately addressed by the Authority, who may make known their views and request for an oral hearing to the Authority. Any other interested party may also make its views known within forty days from the date of its publication to the Authority.

T.S. VIJAYARAGHAVAN, Designated Authority and  
Addl. Secy